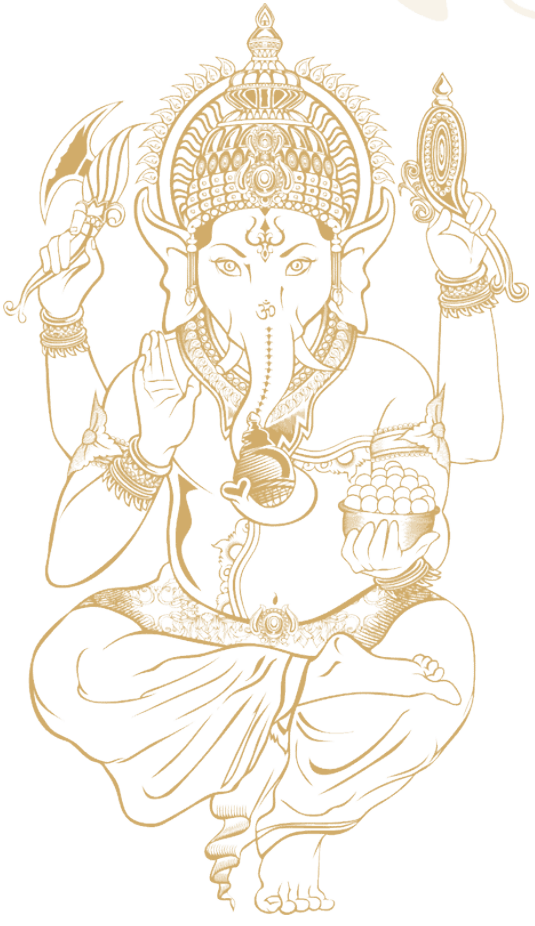

Ms komal

16 Nov 1991

08:24 PM

Kot Putli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121474206

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**16/11/1991**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**20:24:00 घंटे**
इष्ट	34:03:06 घटी
स्थान	**Kot Putli**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:43:00 उत्तर
रेखांश	76:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:58:48 घंटे
वेलान्तर	00:15:21 घंटे
साम्पातिक काल	23:39:31 घंटे
सूर्योदय	06:46:45 घंटे
सूर्यास्त	17:32:56 घंटे
दिनमान	10:46:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	00:00:08 वृश्चिक
लग्न के अंश	13:31:39 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	व्याघात
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	13:31:39	321:38:40	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	00:00:08	01:00:27	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	22:51:51	12:32:30	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	तुला	27:27:24	00:42:00	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			वृश्चि	22:04:32	01:07:56	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	सम राशि
गुरु			सिंह	17:55:37	00:07:33	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	14:05:35	01:05:10	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शनि			मक	07:55:05	00:04:01	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		धनु	17:16:11	00:03:52	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	17:16:11	00:03:52	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष			धनु	17:28:17	00:02:41	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
नेप			धनु	20:57:01	00:01:35	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	26:41:01	00:02:25	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	00:40:32	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:52

लग्न-चलित

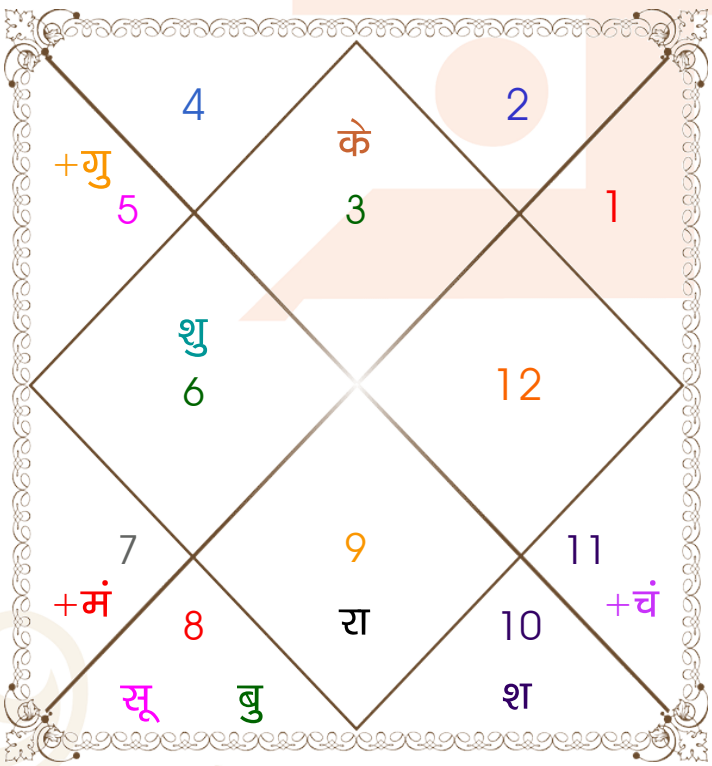

चन्द्र कुंडली

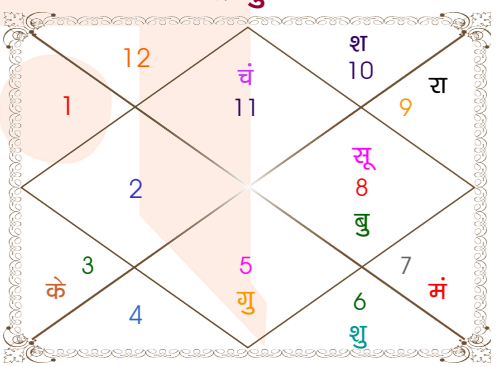

नवमांश कुंडली

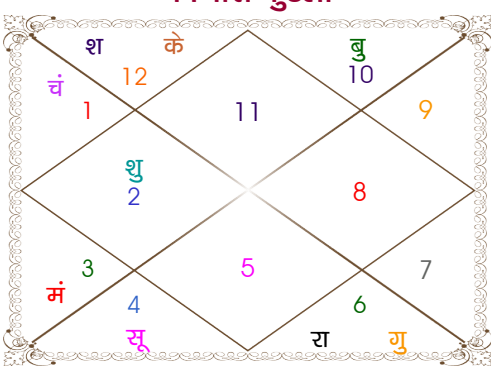

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 6 मास 23 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
16/11/1991		09/06/2004		10/06/2023		09/06/2040		10/06/2047	
09/06/2004		10/06/2023		09/06/2040		10/06/2047		10/06/2067	
	16/11/1991	शनि	13/06/2007	बुध	05/11/2025	केतु	05/11/2040	शुक्र	09/10/2050
शनि	08/02/1993	बुध	20/02/2010	केतु	03/11/2026	शुक्र	05/01/2042	सूर्य	10/10/2051
बुध	16/05/1995	केतु	01/04/2011	शुक्र	03/09/2029	सूर्य	13/05/2042	चंद्र	09/06/2053
केतु	21/04/1996	शुक्र	31/05/2014	सूर्य	10/07/2030	चंद्र	12/12/2042	मंगल	09/08/2054
शुक्र	21/12/1998	सूर्य	13/05/2015	चंद्र	09/12/2031	मंगल	10/05/2043	राहु	09/08/2057
सूर्य	10/10/1999	चंद्र	12/12/2016	मंगल	06/12/2032	राहु	28/05/2044	गुरु	09/04/2060
चंद्र	08/02/2001	मंगल	21/01/2018	राहु	25/06/2035	गुरु	04/05/2045	शनि	10/06/2063
मंगल	14/01/2002	राहु	26/11/2020	गुरु	30/09/2037	शनि	13/06/2046	बुध	10/04/2066
राहु	09/06/2004	गुरु	10/06/2023	शनि	09/06/2040	बुध	10/06/2047	केतु	10/06/2067

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
10/06/2067		09/06/2073		10/06/2083		10/06/2090		10/06/2108	
09/06/2073		10/06/2083		10/06/2090		10/06/2108		00/00/0000	
सूर्य	27/09/2067	चंद्र	10/04/2074	मंगल	06/11/2083	राहु	20/02/2093	गुरु	29/07/2110
चंद्र	28/03/2068	मंगल	09/11/2074	राहु	23/11/2084	गुरु	16/07/2095	शनि	17/11/2111
मंगल	03/08/2068	राहु	10/05/2076	गुरु	30/10/2085	शनि	22/05/2098		00/00/0000
राहु	28/06/2069	गुरु	09/09/2077	शनि	09/12/2086	बुध	10/12/2100		00/00/0000
गुरु	16/04/2070	शनि	10/04/2079	बुध	06/12/2087	केतु	28/12/2101		00/00/0000
शनि	29/03/2071	बुध	08/09/2080	केतु	04/05/2088	शुक्र	28/12/2104		00/00/0000
बुध	02/02/2072	केतु	09/04/2081	शुक्र	04/07/2089	सूर्य	22/11/2105		00/00/0000
केतु	09/06/2072	शुक्र	09/12/2082	सूर्य	08/11/2089	चंद्र	24/05/2107		00/00/0000
शुक्र	09/06/2073	सूर्य	10/06/2083	चंद्र	10/06/2090	मंगल	10/06/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 6 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।